गांवों में गांवों में

Rajesh Ojha | Aug 23, 2016, 10:38 IST

पटना. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गंगा में बाढ़ की भयावहता को देखने के लिए विशेषज्ञों की टीम को बिहार भेजने का आग्रह किया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री ने 7 रेस कोर्स जाकर प्रधानमंत्री से मुलाकात कर बाढ़ राहत कार्य में सहायता मांगी है। उन्होंने पीएम से कहा कि जब तक गंगा में सिल्टेशन की समस्या का हल नहीं निकलेगा तब बिहार को बार-बार ऐसे संकट का सामना करना पड़ेगा।

नीतीश ने उठाया सिल्टेशन का मुद्दा

दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फरक्का बांध और गंगा में हो रहे सिल्टेशन का मुद्दा उठाया। नीतीश ने कहा कि फरक्का बैराज के उपयोगिता की समीक्षा होनी चाहिए। यह देखा जाना चाहिए कि इस बांध से फायदा अधिक हो रहा है या नुकसान।

छिछली होती जा रही है गंगा

नीतीश ने कहा कि जब से फरक्का बांध का निर्माण हुआ है गंगा में सिल्टेशन हो रहा है। गाद बैठने के चलते नदी छिछली होती जा रही है, जिसके चलते नदी फैल रही है। गर्मी के दिनों में गंगा में बहुत कम पानी रहता है और बरसात में अधिक पानी आने पर बाढ़ आ जाती है। नदी की जलग्रहण क्षमता कम होती जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फरक्का बैराज बन गया है तो उसे तोड़ना मुश्किल है। इस स्तर का फैसला आसानी से नहीं लिया जा सकता, लेकिन गंगा में सिल्टेशन मैनेजमेंट के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है।

दूसरे जगह की वर्षा से बिहार में आ रही है बाढ़

नीतीश ने कहा कि हमारे यहां बाढ़ का तीसरा खेप है। सबसे पहले नेपाल में हुई बारिश से सीमांचल की नदियों में बाढ़ आई। इसके बाद झारखंड में हुई बारिश से फलगू नदी में उफान आया और अब बिहार मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और अन्य जगहों में हुई बारिश के चलते बाढ़ का दंश झेल रहा है। हमलोग ऐसी स्थिति में हैं जहां बारिश चाहे नेपाल में हो, MP में हो या UP में बाढ़ की परेशानी बिहार को ही झेलनी होती है। यह सही मौका है एक्सपर्ट को भेजें और खुले मस्तिष्क से इस पर विचार करें।

बिहार में अब तक नहीं हुई पर्याप्त वर्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मात्र दो वर्ष ही बिहार में एक हजार एमएम से ज्यादा वर्षा हुई है, जबकि बिहार का औसत वर्षापात 1,200 एमएम का है। इस बार भी बिहार में अब तक पर्याप्त वर्षा नहीं हुई है। अभी भी बिहार में 14 प्रतिशत वर्षा की कमी है, फिर भी बाढ़ की स्थिति है। नदियां सिल्टेसन के कारण छिछली हो गई है, साथ ही मॉनसून ट्रफ दक्षिण की तरफ बढ़ता चला जा रहा है। फरक्का डैम के कारण जो समस्याएं उत्पन्न हुई हैं, उनका समाधान निकाला जाए। गंगा नदी का जल रिटेंशन की क्षमता काफी घट गई है। नेशनल सिल्ट पॉलिसी बनाई जानी चाहिए।

Hindi News **से जुड़े अन्य अपडेट हासिल करने के लिए हमें फेसबुक और ट्विटर पर फॉलो करे! हर पल अपडेट रहने के लिए डाउनलोड करें** Hindi News App

Web Title: गांवों में गांवों में
(News in Hindi from Dainik Bhaskar)

पढ़ते रहिए 5.5 करोड़ + रीडर्स की पसंदीदा और विश्व की नंबर 1 हिंदी न्यूज़ वेबसाइट dainikbhaskar.com, जानो ख़बरों से ज़्यादा।